पीएम केपी शर्मा ओली को हटाने पर अड़े प्रचंड

उठापटक

ओली को बचाने में चीनी राजदूत ने झोकी ताकत

■ प्रचंड को मनाने के लिए चीन की राजदूत ने मुलाकात की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। चीन की राजदूत हाओ यांकी के तमाम प्रयासों के बावजूद नेपाल में गहराया राजनीतिक संकट खत्म्म होने का नाम नहीं ले रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने पार्टी को टूटने से बचाने के लिए मंगलवार को छह दिन के बाद फिर से बातचीत शुरू की है। सूत्रों के मुताबिक प्रचंड ओली को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं, इसलिए एक बार फिर से उन्ह्हें मनाने के लिए चीन की राजदूत बुधवार को उनके घर पहुंचीं।

प्रचंड और हाओ ने करीब 50 मिनट तक अकेले में बात की। इससे पहले चीनी राजदूत नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी, ओली और कम्ध्युनिस्ध्ट पार्टी के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर चुकी हैं। बताया

जा रहा है कि कम्ध्युनिस्ध्ट पार्टी में दोनों नेताओं के गुटों के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं। नेपाली अखबार द काठमांडू पोस्टश की खबर के मुताबिक, प्रचंड के प्रेस सलाहकार ने कहा कि ओली और प्रचंड ने चर्चा फिर से शुरू की है। इससे पहले दोनों नेताओं ने आखिरी बार आमने–सामने की वार्ता पिछले बुधवार को की थी।

शुक्रवार को स्थायी समिति की अहम बैठकः यह बातचीत शुक्रवार को स्थायी समिति की होने वाली अहम बैठक से पहले हो रही है। ऐसी उम्मीद है कि इस बैठक में 68 साल के प्रधानमंत्री का राजनीतिक भविष्य तय हो सकता है। ओली पहले आरोप लगा चुके हैं कि उनके विरोधी भारत की मदद से उन्हें पद से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रचंड ने कहा था कि वह पार्टी को टूटने नहीं देंगे और कहीं से भी पार्टी की एकता को कमजोर करने वाली कोशिश से कोरोना वायरस महामारी और प्राकृतिक आपदाओं से लड़ाई में अघात पहुंचेगा।

प्रचंड की इस टिप्पणी के बाद स्थायी समिति की अहम बैठक होने जा रही है। अपने गृहनगर चितवान में रविवार को एनसीपी के सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रचंड ने कहा कि वह पार्टी की एकता को बरकरार रखने के लिए दृढ़ हैं और श्एक बड़ी पार्टी में मतभेद, विवाद और बहस स्वाभाविक हैं।श प्रचंड समेत पार्टी के शीर्ष नेता प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा मांग रहे हैं। उनका कहना है कि प्रध ाानमंत्री की भारत विरोधी टिप्पणी श्न राजनीतिक रूप से सही हैं और न ही कूटनीतिक रूप से उचित।श

स्थायी समिति की बैठक आखिरी समय पर चौथी बार टाली गईः मतभेद तब और बढ़ गए जब ओली ने कहा कि उन्हें सत्ता से बेदखल करने के लिए सत्तारूढ़ दल के नेता दक्षिणी पड़ोसी के साथ मिल गए हैं, क्योंकि उनकी सरकार ने नया राजनीति नक्शा जारी किया है जिसमें भारत के तीन क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

रूस और चीन की रक्षा तैयारी से दहशत में नाटो के देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। रूस के लगातार आक्रामक रुख और चीन की रक्षा तैयारियों से नाटो देश में दहशत में आते दिख रहे हैं। नाटो देशों से अनुरोध किया गया है कि वे रूस के आक्रामक रुख के खिलाफ अपनी तैयारी को मजबूत करें। एक पॉलिसी पेपर में चेतावनी दी गई कि नाटो देशों को रूस के खतरे से निपटने के लिए स्ध्मार्ट, तेजी, सामूहिक और जोरदार कार्रवाई की जरूरत है।

किंग्स कॉलेज लंदन के इस पॉलिसी पेपर में कहा गया है कि रूस से नाटो देशों को साइबर हमले, बायोलॉजिकल हथियारों और गलत सूचनाओं को फैलाने का बड़ा खतरा है। यह चेतावनी ऐसे समय पर दी गई है जब एमआई6 के डबल एजेंट सर्गेई स्क्रिपाल और उनकी बेटी यूलिया की संदिग्ध रूसी एजेंटों ने जहर देकर हत्या कर दी थी। साथ ही चुनावों में रूस के हस्तक्षेप का खतरा बढ़ता जा रहा है।

पश्चिमी देशों में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है चीन

नाटो देशों से यह भी कहा गया है कि वे चीन के साथ संघर्ष से बचने और तनाव को कम करने पर काम करें। वह भी तब जब चीन ने हॉन्ग कॉन्ग पर बेहद कड़े कानून लागू किए हैं। चीन अब पश्चिमी देशों में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। पूर्व रक्षा सचिव लॉड राबर्ट्सन ने कहा कि बेहद आक्रामक चीन और रूस की वजह से नए खतरे पैदा हो रहे हैं।

रूस का नया ब्रह्मास्त्र एस-500, अंतरिक्ष में उपग्रहों का करेगा खात्मा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका और नाटो के अन्य देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच रूस जल्द ही एक नए ब्रह्मास्त्र को तैनात कर सकता है। रूस का यह हथियार इतना घातक है कि अंतरिक्ष से आ रही हाइपरसोनिक मिसाइलों का भी खात्मा कर सकता है। रूस के इस ब्रह्मास्त्र का नाम है एस–500। यह अत्याधुनिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम अपने पूर्ववर्ती एस–400 की जगह लेगा। एस–500 प्रोमीथियस सतह से हवा में मार करने में सक्षम मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। यह रूस का ऐसा रक्षा कवच है कि जो हाइपरसोनिक मिसाइलों से लेकर ड्रोन विमानों तक का पलक झपकते ही खात्मा कर सकता है।

पीओके में बांध बना रहा चीन, भारत का कड़ा विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पीओके के गिलगिट बाल्टिस्तान में विशाल बांध बना रहा ड्रैगन

इस्लामाबाद। भारत के कड़े विरोध के बाद भी चीन ने अपने सदाबाहर मित्र पाकिस्ध्तान की मदद के लिए पाक अधिकृत कश्मीर के गिलगिट बाल्टिस्तान इलाके में दियामेर भाषा बांध का निर्माण शुरू कर दिया है।

बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस इलाके का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के इतिहास में अब तक सबसे बड़ा बांध होगा। उधर, भारत ने इस विवादित इलाके में चीन के बांध निर्माण का पुरजोर विरोध किया है। इमरान खान के साथ चाइना–पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर) असीम सलीम बाजवा भी मौजूद थे। इस दौरान इमरान खान ने कहा, श्मेरी सरकार पाकिस्ध्तान के इतिहास का सबसे बड़ा बांध बनाने जा रही है। यह हमारा तीसरा बड़ा बांध होगा। चीन ने पांच हजार बांध बनाए हैं लेकिन लेकिन उनके पास कुल 80 हजार बांध हैं। इससे आप यह अंदाजा लगा सकते हैं कि हमने पहले कितनी बड़ी गलतियां की हैं।

भारत ने पीओके में चीन के बांध बनाने पर कड़ा ऐतराज जतायाः पाकिस्तानी पीएम ने कहा, बांध को बनाने का फैसला 50 साल पहले लिया गया था। बांध बनाने के लिए इससे बेहतर जगह नहीं हो सकती है। यह एक प्राकृतिक बांध है। इस बांध पर 40 से 50 साल पहले फैसला लिया गया था लेकिन काम आज शुरू हो रहा है। यह उन बड़े कारणों में से एक है जिसकी वजह से हमारा विकास नहीं हुआ। इस बीच भारत सरकार ने पीओके में चीन के बांध बनाने पर कड़ा ऐतराज जताया है। भारत का कहना है कि यह इलाका उसके केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर का हिस्सा है। पीओके में चीनी बांध बनाने का स्थानीय लोग जोरदार विरोध कर रहे हैं लेकिन इमरान सरकार पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा है।

पोम्पिओ ने उत्तर कोरिया के साथ शिखर वार्ता की संभावना से किया इनकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने देश में राष्ट्रपति चुनाव से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग–उन के बीच एक और शिखर वार्ता की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि कुछ ठोस परिणाम निकलने की वास्तविक संभावना होने पर ही ट्रम्प इसके बारे में सोचेंगे।

पोम्पिओ का बयान ऐसे समय में आया है जब उत्तर कोरिया ने हाल ही में कई बयानों में कहा कि वह ट्रम्प के साथ कोई उच्च स्तरीय बैठक नहीं करेगा क्योंकि इसका इस्तेमाल वह अपनी विदेश नीति की सफलता का बखान करने के लिए करते हैं जबकि उन्हें इससे कोई फायदा नहीं मिलता।पोम्पिओ ने जून 2018 ट्रम्प–किम शिखर वार्ता का जिक्र करते हुए कहा, '' उत्तर कोरिया ने मिले जुले संकेत दिए , जबकि सच यह है कि राष्ट्रपति ट्रम्प तब ही किसी शिखर वार्ता के बारे में सोचेंगे अगर उन्हें लगेगा कि सिंगापुर में हासिल परिणामों की तरह कोई वास्तविक प्रगति मिल सकती है।''

न्यूज डायरी

बिल गेट्स, एलन मस्क, बराक ओबामा समेत नामी हस्तियों के ट्विटर हैंडल हैक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका के कई हाई प्रोफाइल ट्विटर अकाउंट हैक कर लिए गए। इसमें अमेरिकी नेता जो बिडन, टेसला के सीईओ एलन मस्क, माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स और एपल के कई और अहम अकाउंट शामिल हैं। ट्विटर हैंडल हैक करने के बाद इसपर एक खास तरह के मेसेज पोस्ट किए गए। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी ट्विटर हैंडल हैक कर लिया गया। संदेशों से स्पष्ट है कि क्रिप्टोकरंसी स्कैम के उद्देश्य से ऐसा किया गया। ये मेसेज थोड़ी देर बाद डिलीट भी कर दिए गए। हैक करने वाले ने मेसेज में एक लिंक डाला जिसपर बिट कॉइन का लेनदेने किया जा सकता है। पोस्ट किया गया, आप हमको 5000 बिट कॉइन देने वाले हैं। जानकारी के बाद वेबसाइट के डोमेन को कैंसल कर दिया गया। ऐमजॉन के को–फाउंडर जेफबेजोस और बिल गेट्स के ट्विटर हैंडल हैक करके भी इसी तरह के पोस्ट किए गए।

पूर्वी तुर्की में पुलिस का विमान दुर्घटनाग्रस्त, सात की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा। पुलिस बल का एक छोटा विमान पूर्वी तुर्की में पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सात पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। तुर्की के गृह मंत्री ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सुलेमान सोयलू ने संवाददाताओं को बताया कि बुधवार को विमान एक निगरानी एवं टोही अभियान से लौट रहा था। उसी दौरान ईरान की सीमा से लगते पूर्वी प्रांत वान की अरटोस पहाड़ियों में यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि वापसी में विमान रडार से ओझल हो गया था और तड़के तीन बजे इसका मलबा मिला। विमान के दो पायलटों समेत इस पर सवार सभी लोग पुलिस बल से थे। सोयलू ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन के हुवावे कर्मचारियों के वीजा पर बैन लगाएगा अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चीन और अमेरिका के संबंधों में आए तनाव के फिलहाल कम होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अमेरिका ने हॉन्ग–कॉन्ग, साउथ चाइना सी, 5जी और टेलिकॉम कंपनी हुवावे को लेकर चीन पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। साथ ही चीन की सरकार के लिए सर्विलांस का आरोप लगाते हुए यह ऐलान किया है कि हुवावे के कुछ कर्मचारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाया जाएगा जो इसके जिम्मेदार पाए जाएंगे। अमेरिका पहले ही हुवावे को अपने यहां बैन कर चुका है। इस दौरान पॉम्पिओ ने कहा कि चीन से मिलने वाली चुनौतियों का मुकाबला भारत और दूसरे लोकतंत्र कर रहे हैं। पॉम्पिओ ने बुधवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान ऐलान किया कि अमेरिका ने फैसला किया है हुवावे जैसी कंपनियों के कुछ कर्मचारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिका मानवाधिकार उल्लंघन करने के जिम्मेदार लोगों के वीजा पर प्रतिबंध लगाएगा।

यूएई ने 20 जुलाई से 22 जुलाई के बीच मार्स मिशन लॉन्च करने का लिया फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। सरकार के संचार कार्यालय ने गुरुवार को कहा कि संयुक्त अरब अमीरात ने 20 जुलाई से 22 जुलाई के बीच मंगल ग्रह के लिए अपने मिशन की शुरूआत के लिए काम फिर से शुरू कर दिया है। जापान के तनेगाशिमा स्पेस सेंटर से यूएई के होप प्रोब का प्रक्षेपण अनिश्चित मौसम के कारण दो बार प्रभावित हुआ है। इससे पहले 15 जुलाई को लॉन्च किया जाना था लेकिन खराब मौसम की वजह से इसे 17 जुलाई के लिए टाल दिया गया और अब एक नई तारीख दी गई है। यूएई अगर यह लॉन्च सफलतापूर्व कर लेता है तो दूसरे ग्रह पर मिशन भेजने वाला पहला अरब देश होगा। यह संयुक्त अरब अमीरात के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम का अगला चरण होगा। मिशन का उद्देश्य है मंगल ग्रह के वातावरण के मौसम के रहस्यों को सुलझाना। यूएई के नौ सैटेलाइट पहले से अंतरिक्ष में हैं और उसकी योजना है कि आने वाले वर्षों में आठ और सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएं।